राजपुत करणी सेना के अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की हत्या के बाद मैट्रो मास अस्पताल पर भारी विरोध प्रदर्शन किया गया।

राष्ट्रीय करणी सेना के अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की गोली मारकर हत्या

जयपुर के श्याम नगर स्थित जनपथ पर उनसे मिलने आए तीन लोगों ने दिया वारदात को अंजाम

- हमलावरों के साथ आये एक युवक की भी गोली लगने से मौत हुई।
- घटना की जिम्मेवारी रोहित गोदारा गैंग ने ली है।
- घटना के विरोध में राजपूत समाज के लोगों और राष्ट्रीय करणी सेना के कार्यकर्ताओं ने मैट्रो मास अस्पताल के बाहर सड़क पर जाम लगाकर विरोध प्रदर्शन किया।
- सर्वसमाज ने बुधवार को प्रदेश बंद का ऐलान किया है।

जयपुर, 5 दिसम्बर। श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी को मंगलवार को दिनदहाड़े तीन बदमाशों ने जयपुर में उनके श्याम नगर जनपथ स्थित घर में घुसकर गोली मार दी। गोगामेड़ी को गंभीर हालात में मेट्रो मास हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। वहीं वारदात के दौरान फायरिंग में बदमाशों के साथ आए एक युवक की भी मौत हो गई। हालांकि गार्ड अजीत सिंह भी गंभीर रूप से घायल हो गया हैं। घटना के बाद राष्ट्रीय करणी सेना के कार्यकर्ताओं और राजपूत समाज के लोगों ने आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर रास्ता जाम कर देर रात तक प्रदर्शन किया। समाज के लोगों का कहना है कि जब तक आरोपी पकड़े नहीं जाते तब तक शव नहीं लेंगे। सर्व समाज की ओर से बुधवार को प्रदेश बंद का ऐलान किया है। इसके अलावा भी प्रदेश में कई जगह घटना के विरोध में प्रदर्शन की खबर है।

पुलिस महानिदेशक उमेश मिश्रा ने बताया कि हत्यारे बातचीत करने के बहाने गोगामेड़ी के घर में दाखिल हुए। उन्होंने गोगामेड़ी से कुछ देर बात की, इसके बाद गोलियां चलाना शुरू कर दिया। गोगामेड़ी के गार्ड ने भी जवाबी गोली चलाई। घटना के बाद दोनों हमलावरों ने उनके साथ आये नवीन शेखावत को भी गोली मार दी। इस घटना में गोगामेड़ी और नवीन की मौत हो गई जबकि परिचित अजीत गंभीर रूप से घायल हुआ है।

डीजीपी ने बताया कि, आरोपियों की तलाश के लिए पुलिस सख्त नाकाबंदी कर उनके संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है। उन्होंने आमजन से धैर्य और शांति बनाए रखने की अपील करते हुए पुलिस को विशेष सतर्कता बरतने और सुरक्षा बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने जिलों में विशेष सतर्कता के साथ ही सुरक्षा बढ़ाने को भी कहा है। मिश्रा ने बताया कि, घटना की रोहित गोदारा गैंग ने जिम्मेदारी ली है। इसे ध्यान में रखते हुए पड़ोसी जिलों और बीकानेर संभाग में भी बदमाशों के कान्टेक्ट को चिन्हित कर लगातार दबिश दी जा रही है।

उधर, राज्यपाल कलराज मिश्र ने घटना पर त्वरित संज्ञान लेते हुए इस संबंध में अपराधियों के खिलाफ कड़ी और प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। मिश्र ने घटना के बारे में जानकारी मिलते ही डीजीपी से फोन पर तथ्यात्मक जानकारी ली और प्रदेश में कानून एवं शांति व्यवस्था को सभी स्तरों पर सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने आम जन की सुरक्षा और शांति के लिए पुलिस प्रशासन द्वारा प्रभावी एवं कारगर कदम उठाने के लिए भी विशेष रूप से निर्देश दिए हैं।

फायरिंग के बाद दो बदमाश भागते हुए एक गली से निकले और एक कार को रोककर लूटने का प्रयास किया। उन्होंने ड्राइवर को पिस्तौल दिखाई तो ड्राइवर कार भगा ले गया। इस दौरान पीछे से आ रहे स्कूटी सवार को बदमाशों ने रोक लिया। उन्होंने स्कूटी सवार को गोली मारकर घायल कर दिया और स्कूटी लेकर फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस कमिश्नर बीजू जार्ज जोसेफ सहित पुलिस के अधिकारी व जाप्ता मौके पर पहुंच गया। पुलिस कमिश्नर ने बताया कि मरने वाला नवीन सिंह शक्तावत मुलताई शाहपुरा का रहने वाला था। नवीन जयपुर में कपड़े का व्यापार करता था। पुलिस के पास सभी आरोपियों और घटना को लेकर सीसीटीवी फुटेज हैं। मौके से भागने वाले दोनों आरोपियों की तलाश की जा रही है। वहीं इस घटना का वीडियो भी तेजी से वायरल हो रहा है।

जानकारी के अनुसार बदमाश स्कॉर्पियो से गोगामेड़ी के घर पहुंचे थे। घर के बाहर खड़ी बदमाशों की स्कॉर्पियो में पुलिस को एक बैग, शराब की बोतल और खाली ग्लास मिले हैं। एफएसएल टीम की मदद से फायरिंग वाली जगह से सबूत जुटाए गए हैं। पुलिस ने सबूत जुटाने के लिए स्कॉर्पियो को लॉक कर खड़ा कर दिया है। स्कॉर्पियो जयपुर के झालाना आरटीओ ऑफिस से रजिस्टर्ड है। गाड़ी का मालिक प्रदीप नाम का व्यक्ति बताया जा रहा है। पुलिस गाड़ी मालिक के बारे में जानकारी जुटा रही है। पुलिस को मौके से चार खाली कारतूस भी मिले हैं। बदमाशों ने ताबड़तोड़ 15 से ज्यादा राउंड फायर किए थे। इधर, गोगामेड़ी की हत्या के बाद कई जिलों में प्रदर्शन शुरू हो गए। जयपुर में भी लोग मेट्रो मास हॉस्पिटल के बाहर धरने पर बैठ गए।

स्थानीय लोगों ने बताया कि सुखदेव सिंह गोगामेड़ी को पहले कई बार धमकी मिल चुकी थी। इसको लेकर उन्होंने पुलिस को शिकायत दी थी कि मेरी जान को खतरा है।

नेता प्रतिपक्ष का फैसला आलाकमान ही करेगा, चुनावी हार के बावजूद परिपाटी नहीं बदली कांग्रेस ने

पायलट ने कहा-कमियों को स्वीकार कर सुधार करना होगा

जयपुर, 5 दिसम्बर (का.प्र.)। राजस्थान में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नेतृत्व में लगातार तीसरी बार विधानसभा चुनाव हारने के बाद कांग्रेस विधायक दल की बैठक में एक बार फिर पुराना राग अलापते हुए नेता प्रतिपक्ष का चुनाव करने के बजाय एक लाइन का प्रस्ताव पारित करते हुए फैसला आलाकमान पर छोड़ दिया गया। हालांकि इस फैसले के बाद में विधायकों से वन टू वन चर्चा भी की गई। जिस पर

- गहलोत बोले-प्रदेश में सरकार के खिलाफ लहर नहीं थी।

विधायकों ने भी सवाल उठाया।

कांग्रेस विधायक दल की बैठक के लिए पर्यवेक्षक बनाए गए भूपेंद्र सिंह हुड्डा, मुकुल वासनिक और मधुसूदन मिस्त्री विधायक दल की बैठक में मौजूद रहे और 20 मिनट में ही बैठक समाप्त कर दी गई। इस दौरान नेता प्रतिपक्ष बनाने का फैसला लेने का अधिकार आलाकमान पर छोड़ दिया गया। हालांकि बैठक के बाद में विधायकों से एक-एक कर उनकी राय भी जानी गई। इस पर कई विधायकों ने सवाल उठाया कि जब आलाकमान को अधिकार देते हुए एक लाइन का प्रस्ताव पारित कर दिया गया है, तो फिर इस तरह एक-एक विधायकों से बात करने का क्या मतलब है। कुल मिलाकर कांग्रेस ने ना तो आलाकमान के प्रति विश्वास दिखाया गया और ना ही विधायकों की राय को महत्व मिलता दिखा।

कांग्रेस विधायक दल की बैठक के बाद पत्रकारों से मुखातिब हुए सचिन पायलट

बैठक में ना तो हार पर कोई चर्चा हुई, ना अगली रणनीति बनाने पर कोई ठोस बात निकाल कर आई। बैठक के बाद निवर्तमान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि मेरी भूमिका पार्टी के साधारण कार्यकर्ता के रूप में रहेगी। वहीं, सचिन पायलट ने कहा कि हमें कमियों को स्वीकार कर सुधार करना होगा और युवाओं को आगे लाना चाहिए। वही 25 सितंबर के घटनाक्रम को लेकर चुनाव पर पड़े असर पर पायलट ने कहा कि भूतकाल की बातें छोड़कर भविष्य की बात करनी है।

बैठक के बाद गहलोत ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष को लेकर एक सिंगल लाइन का प्रस्ताव पारित किया गया है। हमने फैसला हाईकमान पर छोड़ा है। हमारे यहां यह परिपाटी रही है। उन्होंने कहा कि हमारा वोट शेयर कम नहीं हुआ। पहले जो वोट शेयर था, वही आया है। लेकिन, हमारे जो निर्दलीय जीते हुए थे, उनका वोट शेयर बीजेपी की तरफ चला गया। हमने विकास और लोकल मुद्दों पर चुनाव लड़ा। भाजपा ने यह चुनाव अलग तरीके से लड़ा। उन्होंने विकास की बात नहीं की। कन्हैया लाल को लेकर चुनाव लड़ा। राजस्थान में तरह-तरह की अफवाह फैलाई गई।

गहलोत ने कहा कि मेरा मानना था कि सरकार बन जाएगी। प्रदेश में सरकार के खिलाफ लहर नहीं थी। राजस्थान वह राज्य था, जहां सरकार के खिलाफ माहौल नहीं था। जबकि होता यह है कि जहां सरकार होती है, वहां बहुत कुछ सरकार के खिलाफ हो जाता है। भाजपा ध्रुवीकरण करने में सफल हुई। हमें हारने की उतनी चिंता नहीं, जितनी देश की है। उन्होंने कहा कि मैंने बैठक में सुझाव दिया है कि लोकसभा के लिए उम्मीदवार की तलाश अभी से हो। मेरा कार्यकर्ताओं से आव्हान है कि वे लोकसभा चुनाव की तैयारी करें।

बैठक के बाद सचिन पायलट ने कहा कि लोकसभा चुनाव के लिए अभी से तैयारी करनी होगी। हमें उम्मीद थी कि राजस्थान में इस बार सरकार दोबारा बनेगी, सब लोगों ने मेहनत की। इसके बावजूद कुछ कमियां रहीं। इन कमियों को स्वीकार करना पड़ेगा। क्या कमियां रहीं और कामयाबी के लिए क्या सुधार हो, इस पर लंबी चर्चा की जरूरत है।

पायलट ने कहा कि आने वाले समय में कांग्रेस मजबूती के साथ कैसे विकल्प बन सकती है, इस बारे में रणनीति तय करनी है। कांग्रेस कार्यकर्ता और नेता अगर जनता का मन जीत लेते तो चुनाव जीत पाते। उन्होंने कहा कि राजस्थान की पुरानी परंपरा है कि सत्ता बदलती है।

हमारा प्रयास था कि हम सत्ता में वापसी करें। अभी भी हम मजबूती से जनता की आवाज बनकर जनता के बीच में रहेंगे और मेहनत करेंगे। उन्होंने कहा- पार्टी जल्दी निर्णय लेगी कि आगे किस तरह से रास्ता तय किया जाएगा। मैं हमेशा से युवाओं के पक्ष में रहा हूं। युवाओं को आगे लाना चाहिए और मुझे खुशी है पार्टी ने इस चुनाव में ऐसा किया है।

रैवन्त रेड्डी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इस साल पहले सत्ता गंवा चुका था।

आंध्र प्रदेश व तेलंगाना में रेड्डी समुदाय काफी ताकतवर समुदाय है। रैवन्त रेड्डी ने लगभग हरेक रेड्डी से मुलाकात की और उन्हें कांग्रेस पर यकीन दिलाया।

फिर उन्होंने बी.आर.एस. और भाजपा के नेताओं को तोड़ना शुरु कर दिया। प्रदेश अध्यक्ष के रुप में उन्होंने पार्टी को नई ऊर्जा से भर दिया तथा एक के बाद एक कई विरोध प्रदर्शन किये। उन्हीं की मेहनत का नतीजा था कि कांग्रेस भाजपा को धकेल कर बी.आर.एस. को चुनौती देने वाली पहले नम्बर की पार्टी बन गई। पार्टी आलाकमान ने पूर्व समर्थन से रेड्डी अपना काम मुस्तैदी से करते रहे। वरिष्ठ कांग्रेसी नेता एस. जयपाल रेड्डी के निकट रिश्तेदार रैवन्त ने के.सी.आर. और चन्द्रबाबू नायडू के साथ भी काम किया है।

'सचिन पायलट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के चुनाव हारने के बाद लोकेश शर्मा ने न्यूज चैनल को दिए इंटरव्यू के दौरान इस बात का खुलासा किया। न्यूज चैनल का सवाल था कि, क्या पायलट का फोन टैप किया जा रहा था और उनकी गतिविधियों पर नज़र रखी जा रही थी?

लोकेश शर्मा ने अशोक गहलोत पर पार्टी आलाकमान को धोखा देने, सही फीडबैक को शीर्ष तक नहीं पहुंचने देने का भी आरोप लगाया।

शर्मा ने यह भी कहा कि कांग्रेस के भीतर चल रहे अंतर्कलह के कारण पार्टी राजस्थान में ऐसा चुनाव हार गई, जो कि जीता जा सकता था। सचिन पायलट ने लोकेश शर्मा के इन बयानों को कांग्रेस विधायक दल की बैठक में उठाने की प्रतिबद्धता जताई। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि लोकेश शर्मा के बयानों को स्वीकार किया जाना चाहिए और उन पर गहन विचार किया जाना चाहिए।

नाबालिग के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सहमति भी हो तो भी यह दुष्कर्म कर श्रेणी में ही माना जाएगा। क्योंकि नाबालिग की सहमति कानून में कोई महत्व नहीं रखती है। अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक रचना मान ने अदालत को बताया कि पीड़िता के पिता ने 8 अगस्त, 2022 को रामनगरिया थाने में एफ.आई.आर. दर्ज कराई थी। जिसमें बताया कि, पीड़िता छह अगस्त की शाम को सब्जी लेने गई थी, लेकिन उसके बाद वापस नहीं लौटी। बाद में पीड़िता को परिचितों और रिश्तेदारों के यहां तलाश किया, लेकिन उसका कोई पता नहीं चला। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने 25 अगस्त को पीड़िता को नोएडा से बरामद कर अभियुक्त दिनेश को गिरफ्तार किया। पुलिस जांच में सामने आया कि, अभियुक्त ने पीड़िता के साथ नोएडा सहित अन्य जगहों पर रखकर उसके साथ कई बार दुष्कर्म किया है। दूसरी ओर अभियुक्त पक्ष की ओर से अदालत को बताया गया कि, उसे प्रकरण में झूठा फंसाया गया है। ऐसे में उसे दोषमुक्त किया जाए।

नए मुख्यमंत्री का फैसला होने में अभी और समय लगेगा

- जयपुर से लेकर दिल्ली तक हलचल मची हुई है।
- प्रदेश में कई भाजपा नेताओं ने अपनी ताकत दिखानी शुरू कर दी है।

जयपुर, 5 दिसम्बर (का.प्र.)। राजस्थान में विधान सभा चुनाव हो चुके हैं। अब भाजपा में विधायक दल की बैठक होने वाली है। सूत्रों के अनुसार आज या कल जयपुर में भाजपा के विधायक दल की बैठक हो सकती है जिसे लेकर पूरी तैयारी हो रही है। इसके लिए जयपुर से दिल्ली तक दौड़ शुरू हो गई है। जयपुर में कई नेताओं ने अपनी-अपनी ताकत दिखानी शुरू कर दी है। इसलिए उसकी चर्चा दिल्ली तक हो रही है। सूत्रों का कहना है कि जयपुर में विधायक दल की बैठक में मुख्यमंत्री के नाम पर मुहर लगेगी। आज शाम तक पर्यवेक्षक को दिल्ली से जयपुर भेज दिए जाने की चर्चा हो रही है।

राजस्थान में भाजपा की सरकार तो आई और सीटें पार्टी के अनुमान से कम आई हैं। जहां अभी भाजपा के 115 विधायक चुनाव जीतकर आये हैं। भाजपा के ही कुछ बगावती नेता भी जीत कर आए है। ऐसे में भाजपा के पास कुल 122 आकंड़ा मौजूद है। जहां कई विधायकों में रात में कई नेताओं से मुलाकात की है। एक ही दिन में कई दिग्गज नेताओं के यहां कई विधायकों ने हाजिरी लगाई है। भाजपा का शीर्ष नेतृत्व इसी गुणा-गणित में लगा हुआ है।

राजस्थान में इस बार भाजपा कई फार्मूले पर काम कर रही है। मगर, एक फार्मूला ऐसा भी है जो यहां पर पहली बार लागू किये जाने की चर्चा है। सूत्र बता रहे हैं कि राजस्थान में इस बार दो ओबीसी पुरुष और एक सामान्य वर्ग की महिला को सरकार में लिया जाएगा। एक-दो डिप्टी सी.एम. रखे जाने की तैयारी है। यू.पी. मॉडल को यहां भी लागू किये जाने की भी संभावना है। क्योंकि, इसी मॉडल के जरिये यू.पी. में योगी सरकार रिपीट हो पाई है। कुछ बड़े चेहरे जो चुनाव हार गए हैं उन्हें भी सरकार में बड़ी जिम्मेदारी दी जा सकती है।

मुख्यमंत्री पद ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

खबरों की माने तो मोदी के जातिगत अवधारणा पर चलने की बिल्कुल संभावना नहीं है। वह सिर्फ अपनी मर्जी से ही फैसला लेंगे।

सूत्र कहते हैं कि उनके विकल्पों के अनुसार ओम माथुर फिलहाल निश्चित रूप से उनके पसंदीदा जान पड़ते हैं।

नीतीश और अखिलेश...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गया, जब सूत्रों ने यह बताया कि "औपचारिक मीटिंग" 18 या 19 दिसम्बर को रखी जाएगी।

गत माह चुनाव प्रचार के दौरान कांग्रेस को विपक्षी दलों के गुस्से का सामना करना पड़ा था, ना केवल सीटों के बंटवारे पर बल्कि अगले वर्ष के आम चुनाव की तैयारी के मुद्दे पर खास कर जिसके लिए इंडिया गठबंधन का गठन हुआ था क्योंकि कांग्रेस ने इसे राज्य चुनावों की वजह से रोक दिया था।

मीटिंग के लिए इंकार करने वालों पर एक नज़र डाले तो यह स्पष्ट हो जाता है कि ये वही नेता है जिन्होंने विपक्षी गठबंधन में कांग्रेस को प्रमुख भूमिका देने पर एतराज़ जताया था। कर्नाटक विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की शानदार जीत और भारत जोड़ो यात्रा की सफलता के बाद अखिलेश यादव और ममता बनर्जी काफी सतर्क हो गए थे और उन्होंने गठबंधन में कांग्रेस की भूमिका का समर्थन किया था। ये नेता और अब विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की हार के बाद ये ही नेता सबसे ज्यादा आलोचना कर रहे है।

गठबंधन के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि ऐसा लगता है कि ये नेता भाजपा को हराने की बजाय कांग्रेस को कमज़ोर करने में ज्यादा दिलचस्पी रखते है। भाजपा लोकतंत्र, संविधान और महात्मा गांधी के नेतृत्व के चले स्वतंत्रता संग्राम के दौरान उभर भारत के विचार के लिए खतरा है। उक्त नेता ने अपना नाम नहीं बताया।

दूसरी ओर उसने कहा कि कांग्रेस को बड़े हित के लिए शांत बैठना होगा। इसे झूठी शान के प्रदर्शन से बचाना होगा। क्षेत्रीय नेताओं को भी अपने अहं भूलने होंगे।

कन्हैया हत्याकाण्ड में चार्ज बहस पूरी

जयपुर, 5 दिसंबर, (का.सं.)। एन.आई.ए. मामलों की विशेष अदालत में मंगलवार को उदयपुर के कन्हैयालाल टेलर हत्याकांड मामले में आरोपियों की चार्ज बहस पूरी हो गई। मामले में एन.आई.ए. की चार्ज बहस 28 अक्टूबर को ही पूरी हो गई थी। एन.आई.ए. व आरोपियों की ओर से चार्ज बहस पूरी होने के बाद विशेष अदालत 16 दिसंबर को चार्ज पर फैसला देगी।

'कांग्रेस को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

यदि साथ मिल कर चुनाव लड़ते हैं तो उन्हें लोकसभा चुनावों में भाजपा से अधिक वोट प्राप्त होंगे। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के निवास पर आयोजित बैठक में सबसे महत्वपूर्ण सीटों के बंटवारे पर चर्चा होगी, जो मुद्दा विधानसभा चुनावों के कारण टाल दिया गया था।

राज्य	कांग्रेस	भाजपा
छत्तीसगढ़	66,02,586	72,34,968
मध्य प्रदेश	1,75,71,582	2,11,16,197
राजस्थान	1,56,67,947	1,65,24,787
तेलंगाना	92,35,792	32,57,511
कुल	4,90,77,907	4,81,33,463

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908